आर्थिक संभावनाएं 2012-13 की प्रमुख बातें

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् के अध्यक्ष डा. सी. रंगराजन ने आज नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन व "आर्थिक संभावनाएं 2012-13" दस्तावेज जारी किया। इसकी प्रमुख बातें इस प्रकार है:-

- **2012-13 में अर्थव्यवस्था में 6.7 प्रतिशत की दर से वृद्धि।**
-
    - **कृषि क्षेत्र** में कमजोर मानसून के असर और वर्तमान भंडारण की स्थिति के कारण 2012-13 में सकल घरे उत्पाद में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया।
    - **उत्पादन क्षेत्र** में 4.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया। विद्युत, मोटर वाहन, इस्पात और सीमेंट क्षे में अप्रैल-जून अवधि में सुधार देखने को मिला। कम आधार के लाभों के कारण, इस वर्ष की दूसरी छमाई व निर्माण क्षेत्र में सुधार देखने को मिलेगा।
    - **खनन क्षेत्र** में कोयला और लिग्नाइट क्षेत्र में वृद्धि और लौह अयस्क में कुछ सुधार के कारण वर्ष के दौरान 4. प्रतिशत की वृद्धि की आशा है।
    - **बिजली उत्पादन** करीब 8 प्रतिशत की औसत दर से लगातार बढ़ने की आशा है।
    - **निर्माण कार्यों** में पिछले वर्ष की तुलना में कुछ सुधार होने की संभावना है जैसा कि हाल ही में इस्पात औ सीमेंट के उत्पादन में बढ़ोतरी को सबूत के तौर पर देखा जा सकता है।
    - **सेवा क्षेत्र** में, खासतौर से परिवहन, व्यापार और संचार क्षेत्र में कुछ सुधार होने की संभावना है।

- **वैश्विक स्थिति:** आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं, खासतौर से यूरोप में निराशाजनक स्थिति व्याप्त है। अमेरीका और यूरोपी यूनियन में विकास दर धीमी होने के कारण जिंसों और सेवाओं दोनों में, भारत के निर्यात के लिए इनके बाजारों के विस्ता पर प्रतिकूल असर पडा है।

- **ढांचागत कारक:**

    - जीडीपी के अनुपात में सकल घरेलू निर्दिष्ट पूंजी निर्माण 2007-08 के 32.9 प्रतिशत के अधिकतम स्तर से गिरक 2010-11 में 30.4 प्रतिशत और 2011-12 में 29.5 प्रतिशत पर आ गया। 2012-13 में 30.0 प्रतिशत का अनुमा लगाया गया।
    - घरेलू बचत दर 2010-11 में 32.0 प्रतिशत से गिरकर 2011-12 में 30.4 प्रतिशत पर आ गई । 2012-13 में 31. प्रतिशत का अनुमान लगाया गया।

- **विदेशी क्षेत्र**
    - **चालू खाता घाटा** 2011-12 में 78.2 अरब डॉलर (जीडीपी का 4.2 प्रतिशत) था और 2012-13 में 67.1 अरब डॉल (जीडीपी का 3.6 प्रतिशत) का अनुमान लगाया गया।
        - **वाणिज्यिक** घाटा 2011-12 में 189.8 अरब डॉलर (जीडीपी का 10.2 प्रतिशत) था और 2012-13 में 181.1 अर डॉलर (जीडीपी का 9.7 प्रतिशत) होने का अनुमान लगाया गया।
        - **कुल** मिलाकर सेवाओं पर निवल संतुलन 2011-12 में 111.6 अरब डॉलर (जीडीपी का 6.0 प्रतिशत) था। इसव 2012-13 में 114 अरब डॉलर (जीडीपी का 6.1 प्रतिशत) होने का अनुमान लगाया गया।
    - **पूंजी प्रवाह** 2011-12 में 67.8 अरब डॉलर (जीडीपी का 3.7 प्रतिशत) था और 2012-13 में 73.2 अरब डॉलर (जीडीप का 3.9 प्रतिशत) होने का अनुमान लगाया गया। यह वर्ष के लिए प्रस्तावित 67 अरब डॉलर के सीएडी के लिए पर्याप है।
    - **2012-13 में** आरक्षित निधि में 4 अरब डॉलर की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है।